प्रतिदर्श प्रश्न पत्र 4

कक्षा–10 परीक्षा 2022–23

हिन्दी–ब (कोड–085)

निर्धारित समय– 3 घंटे **पूर्णांक – 80**

सामान्य निर्देश–

1. इस प्रश्नपत्र में दो खंड हैं– खंड 'अ' और 'ब'।
2. खंड 'अ' में उपप्रश्नों सहित 45 वस्तुपरक प्रश्न पूछे गए हैं। दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए कुल 40 प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
3. खंड 'ब' में वर्णनात्मक प्रश्न पूछे गए हैं, आंतरिक विकल्प भी दिए गए हैं।
4. निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका पालन कीजिए।
5. दोनों खंड़ों के कुल 18 प्रश्न हैं। दोनों खंड़ों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
6. यथासभव दोनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर क्रमशः लिखिए।

खंड अ – (वस्तुपरक प्रश्न)

1. **निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर इसके आधार पर सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए–** $(1 \times 5 = 5)$

पर्यावरण का हमारे जीवन में बहुत महत्त्व है। मनुष्य एक पल भी इसके बगैर नहीं रह सकता। इसके समृद्ध और स्वस्थ होने से ही हमारा जीवन भी समृद्ध और सुखी होता है। हमारे पूर्वज प्रकृति की दैवीशक्ति के रूप में उपासना करते थे, उसे 'परमेश्वरी' भी कहते थे। उन्होंने पर्यावरण पर बहुत गहन चिंतन किया। जो कुछ पर्यावरण के लिए हानिकारक था, उसे आसुरी प्रवृत्ति कहा और जो हितकर था, उसे दैवी प्रवृत्ति माना। भारत के पुराने ग्रंथों में वृक्षों और वनों का चित्रण पृथ्वी के रक्षकवस्त्रों के रूप में किया गया है। उनको संतान की तरह पाला जाता था और हरे–भरे पेड़ों को अपने किसी स्वार्थ के लिए काटना पाप कहा जाता था। अनावश्यक रूप से पेड़ों को काटने पर दंड का विधान भी था। मनुष्य यह समझता है कि समस्त प्राकृतिक संपदा पर केवल उसी का आधिपत्य है। हम जैसा चाहें इसका उपभोग करें। इसी भोगवादी प्रवृत्ति के कारण मानव ने इसका इस हद तक शोषण कर लिया है कि अब उसका अस्तित्व ही संकट में पड़ गया है। वैज्ञानिक बार–बार चेतावनी दे रहे हैं कि प्रकृति और पर्यावरण की रक्षा करो, अन्यथा मानव जाति नहीं बच पाएगी। भारतीय संस्कृति में वृक्षों की रक्षा के महत्व को 'तुलसी और पीपल' के उदाहरणों से समझा जा सकता है। इन जीवनोपयोगी वृक्षों की देवी–देवता के समान ही पूजा की जाती है। पर्यावरण की दृष्टि से वृक्ष को परमरक्षक और मित्र बताया गया है। यह हमें अमृत प्रदान करता है, दूषित वायु को स्वयं ग्रहण करके हमें प्राणवायु देता है, मरुस्थल का नियंत्रक होता है, नदियों की बाढ़ को रोकता है और जलवायु को स्वच्छ बनाता है; इसलिए हमें वृक्षमित्र होकर जीवनयापन करना चाहिए।

(1) पूर्वजों ने आसुरी प्रवृत्ति किसे माना है?
 (क) जो पर्यावरण के लिए हानिकारक है
 (ख) जो पर्यावरण के लिए हितकर है
 (ग) जो जन–कल्याणकारी है
 (घ) जो देवताओं के विरुद्ध है

(2) भारत के प्राचीन ग्रंथों में वृक्षों और वनों का चित्रण किस रूप में किया गया है?
 (क) रमणीय स्थलों के रूप में
 (ख) पृथ्वी के रक्षक वस्त्रों के रूप में
 (ग) आश्रमों के रूप में
 (घ) जीवन–रक्षकों के रूप में

(3) वैज्ञानिक बार–बार क्या चेतावनी देते हैं?
(क) भूकंप आने की
(ख) बाढ़ के आने की
(ग) प्रलय के आने की
(घ) मानव जाति के विनाश की

(4) भारतीय संस्कृति में वृक्षों की रक्षा के महत्व को किसके उदाहरण से समझा जा सकता है?
(क) नीम और जामुन के
(ख) आम और अमरूद के
(ग) तुलसी और पीपल के
(घ) अदरक और हल्दी के

(5) निम्नलिखित कथन (A) तथा कारण (R) को ध्यानपूर्वक पढ़िए। उसके बाद दिए गए विकल्पों में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए–
कथन (A) : हमारे पूर्वज प्रकृति को विज्ञान के रूप में मान्यता देते थे।
कारण (R) : उन्होंने पर्यावरण का दोहन अपने लाभ के लिए किया।
(क) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत हैं
(ख) कथन (A) गलत है लेकिन कारण (R) सही है
(ग) कथन (A) सही है लेकिन कारण (R) उसकी गलत व्याख्या करता है
(घ) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है

2. **निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर इसके आधार पर सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए–** $(1 \times 5 = 5)$

दैनिक जीवन में हम अनेक लोगों से मिलते हैं जो विभिन्न प्रकार के काम करते हैं– सड़क पर ठेला लगाने वाला, दूध वाला, नगर–निगम का सफाईकर्मी, बस कंडक्टर, स्कूल अध्यापक, हमारा सहपाठी और ऐसे ही कई अन्य लोग। शिक्षा, वेतन, परंपरागत चलन और व्यवसाय के स्तर पर कुछ लोग निम्न स्तर पर कार्य करते हैं तो कुछ उच्च स्तर पर। एक माली के कार्य को सरकारी कार्यालय के किसी सचिव के कार्य से अतिनिम्न स्तर का माना जाता है, किंतु यदि यही अपने कार्य को कुशलतापूर्वक करता है और उत्कृष्ट सेवाएँ प्रदान करता है तो उसका कार्य उस सचिव के कार्य से कहीं बेहतर है, जो अपने काम में ढिलाई बरतता है तथा अपने उत्तरदायित्वों का निर्वाह नहीं करता। क्या आप ऐसे सचिव को एक आदर्श अधिकारी कह सकते हैं? वास्तव में पद महत्वपूर्ण नहीं है, बल्कि महत्वपूर्ण होता है कार्य के प्रति समर्पण–भाव और कार्यप्रणाली में पारदर्शिता। इस संदर्भ में गाँधीजी से उत्कृष्ट उदाहरण और किसका दिया जा सकता है, जिन्होंने अपने हर कार्य को गरिमामय मानते हुए किया। वे अपने सहयोगियों को श्रम की गरिमा की सीख दिया करते थे। दक्षिण अफ्रीका में भारतीय लोगों के लिए संघर्ष करते हुए उन्होंने सफाई करने जैसे कार्य को भी कभी नीचा नहीं समझा और इसी कारण स्वयं उनकी पत्नी कस्तूरबा से भी उनके मतभेद हो गए थे।

बाबा आमटे ने समाज द्वारा तिरस्कृत कुष्ठ रोगियों की सेवा में अपना समस्त जीवन समर्पित कर दिया। सुंदरलाल बहुगुणा ने अपने प्रसिद्ध 'चिपको आंदोलन' के माध्यम से पेड़ों को संरक्षण प्रदान किया। फ़ादर डेमियन ऑफ मोलाकाई, मार्टिन लूथर किंग और मदर टेरेसा जैसी महान आत्माओं ने इसी सत्य को ग्रहण किया। इनमें से किसी ने भी कोई सत्ता प्राप्त नहीं की, बल्कि अपने जनकल्याणकारी कार्यों से लोगों के दिलों पर शासन किया। गांधीजी का स्वतंत्रता के लिए संघर्ष उनके जीवन का एक पहलू है, किन्तु उनका मानसिक क्षितिज वास्तव में एक राष्ट्र की सीमाओं में बँधा हुआ नहीं था। उन्होंने सभी लोगों में ईश्वर के दर्शन किए। यही कारण था कि कभी किसी पंचायत तक के सदस्य नहीं बनने वाले गांधी जी की जब मृत्यु हुई तो अमेरिका का राष्ट्रध्वज भी झुका दिया गया था।

(1) कार्यप्रणाली में पारदर्शिता का तात्पर्य है–
(क) काम करने के ढंग में बरती गई चालाकी
(ख) काम करने के ढंग में बरती गई ईमानदारी
(ग) काम करने के ढंग में बरती गई दृढ़ता
(घ) काम करने के ढंग में बरती गई सोच

(2) समाज में व्यक्ति का स्तर किस आधार पर निश्चित होता है?
(क) शिक्षा के आधार पर
(ख) वेतन और परंपरागत चलन के आधार पर
(ग) व्यवसाय के आधार पर
(घ) उपर्युक्त सभी

(3) निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–
(i) कर्तव्य के प्रति समर्पण व्यक्ति के स्तर को निम्न बनाता है
(ii) कम आय वाले कार्य निम्न स्तर के होते हैं
(iii) पद से अधिक महत्वपूर्ण कार्य के प्रति समर्पण भाव और कार्यप्रणाली में पारदर्शिता होता है।
उपर्युक्त कथनों में से कौन–सा/कौन–से कथन सही है/हैं–
(क) (i) और (ii)
(ख) (ii) और (iii)
(ग) केवल (i)
(घ) केवल (ii)

(4) एक माली का कार्य सरकारी सचिव के कार्य से भी बेहतर है, यदि–
(क) माली को अधिक वेतन मिले
(ख) सचिव अपने काम को कुशलता पूर्वक से न करे
(ग) माली अपने काम को कुशलतापूर्वक करे, किंतु सचिव ढिलाई बरते
(घ) दोनों का वेतन बराबर हो

(5) कभी किसी पंचायत तक के सदस्य नहीं बनने वाले गाँधीजी की जब मृत्यु हुई तो अमेरिका का राष्ट्र ध्वज क्यों झुका दिया गया था?
(क) गाँधीजी सभी लोगों में ईश्वर के दर्शन करते थे
(ख) गाँधीजी को अमेरिका का सर्वोच्च नागरिक सम्मान प्राप्त था
(ग) गाँधीजी अमेरिका में कई जनकल्याणकारी कार्य किए थे
(घ) अमेरिका के स्वाधीनता संघर्ष में गाँधीजी ने महत्त्वपूर्ण योगदान दिया था

3. **निर्देशानुसार 'पदबंध' पर आधारित पाँच बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए–** **$(1 \times 4 = 4)$**

(1) 'फटे–पुराने वस्त्रों वाला कोई दरवाजे पर खड़ा है।' इस वाक्य में रेखांकित पदबंध है–
(क) संज्ञा पदबंध
(ख) क्रियाविशेषण पदबंध
(ग) सर्वनाम पदबंध
(घ) क्रिया पदबंध

(2) निम्नलिखित में से विशेषण पदबंध का उदाहरण है–
(क) वह अब तक सो चुका होगा।
(ख) रात–दिन मेहनत करने वाला छात्र प्रथम आया है।
(ग) मैं इधर–उधर भटक रहा था
(घ) उसके बाल सुंदर हैं

(3) 'कार्य निरंतर किया जा रहा है।' इस वाक्य में क्रिया पदबंध है–
(क) कार्य किया जा रहा है
(ख) निरंतर किया जा रहा है
(ग) किया जा रहा है
(घ) कार्य निरंतर

(4) 'हमने काला लंबा साँप देखा।' इस वाक्य में रेखांकित पदबंध है–
(क) विशेषण पदबंध
(ख) संज्ञा पदबंध
(ग) सर्वनाम पदबंध
(घ) क्रियाविशेषण पदबंध

(5) 'ततँारा एक नेक और मददगार व्यक्ति था।' इस वाक्य में रेखांकित पदबंध है–
(क) विशेषण पदबंध
(ख) संज्ञा पदबंध
(ग) क्रिया पदबंध
(घ) क्रियाविशेषण पदबंध

4. निर्देशानुसार 'रचना के आधार पर वाक्य भेद' पर आधारित पाँच बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए– **$(1 \times 4 = 4)$**

(1) 'वामीरो कुछ सचेत हुई और घर की तरफ दौड़ी।' इस संयुक्त वाक्य को परिवर्तित करने पर सरल वाक्य होगा–
(क) जैसे ही वामीरो सचेत हुई वैसे ही वह घर की तरफ दौड़ी
(ख) वामीरो कुछ सचेत हुई और वह घर की तरफ दौड़ी
(ग) वामीरो कुछ सचेत होने पर घर की तरफ दौड़ी
(घ) सचेत वामीरो हुई तथा घर की तरफ दौड़ी

(2) 'एक जमाना था कि लोग आठवाँ दरजा पास करके नायब तहसीलदार हो जाते थे।' रचना की दृष्टि से वाक्य है–
(क) सरल वाक्य
(ख) संयुक्त वाक्य
(ग) मिश्र वाक्य
(घ) सामान्य वाक्य

(3) निम्नलिखित वाक्यों में मिश्र वाक्य है–
(क) मेरे और भाई साहब के बीच अब केवल एक दरजे का अंतर और रह गया
(ख) आखिर आदमी को कुछ तो अपनी पोजीशन का खयाल रखना चाहिए
(ग) जब से माताजी ने प्रबंध अपने हाथ में ले लिया है, तब से घर में लक्ष्मी आ गई है
(घ) मेरे रहते तुम बैराह न चलने पाओगे

(4) 'वीर सैनिक देश के लिए मर मिटता है, इसलिए वह सच्चा देशभक्त होता है।' रचना के आधार पर वाक्य का भेद है–
(क) सरल वाक्य
(ख) संयुक्त वाक्य
(ग) दीर्घ वाक्य
(घ) मिश्र वाक्य

(5) 'छात्र स्कूल से घर आया और खेलने चला गया।' इस वाक्य का मिश्र वाक्य में रूपांतरण होगा–
(क) छात्र जब स्कूल से घर आया तो खेलने चला गया।
(ख) छात्र स्कूल से घर आया इसलिए खेलने चला गया।
(ग) छात्र स्कूल से घर आया, लेकिन खेलने चला गया।
(घ) छात्र स्कूल से घर आकर खेलने चला गया।

5. **निर्देशानुसार 'समास' पर आधारित पाँच बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए–** $(1 \times 4 = 4)$

(1) 'लोकप्रिय' समस्तपद में कौन–सा समास है?
(क) तत्पुरुष समास
(ख) कर्मधारय समास
(ग) अव्ययीभाव समास
(घ) द्वंद्व समास

(2) 'सज्जन' समस्तपद का समास–विग्रह होगा
(क) सद् है जो जन
(ख) सत् है जो जन
(ग) अच्छा है जो पुरुष
(घ) सत् के समान जन

(3) निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिए–

	समस्त पद		समास
(i)	देशभक्ति	(i)	तत्पुरुष समास
(ii)	वनवास	(ii)	द्विगु समास
(iii)	कालीमिर्च	(iii)	कर्मधारय समास
(iv)	चौमासा	(iv)	द्वंद्व समास

उपर्युक्त युग्मों में से कौन–से सही सुमेलित हैं–
(क) (i) और (iii)
(ख) (ii) और (iii)
(ग) (iii) और (iv)
(घ) (i) और (iv)

(4) 'शब्दहीन' शब्द के लिए सही समास विग्रह और भेद का चयन कीजिए–
(क) शब्द है जो हीन – कर्मधारय समास
(ख) हीन है जो शब्द – तत्पुरुष समास
(ग) शब्द से हीन – कर्मधारय समास
(घ) शब्द से हीन – तत्पुरुष समास

(5) 'चिंतामग्न' समस्तपद के लिए सही समास–विग्रह और भेद चुनिए–
(क) चिंता से युक्त – तत्पुरूष समास
(ख) चिंता से ग्रस्त – तत्पुरूष समास
(ग) चिंता में मग्न – तत्पुरूष समास
(घ) चिंता से निश्चिंत – तत्पुरूष समास

6. **निर्देशानुसार 'मुहावरे' पर आधारित छह बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए–** $(1 \times 4 = 4)$

(1) मुहावरे और अर्थ के उचित मेल वाले विकल्प चयन कीजिए–
(क) घुड़कियाँ खाना – साहस प्राप्त होना
(ख) तलवार खींचना – सब कुछ नष्ट करना
(ग) पन्ने रँगना – समय नष्ट करना
(घ) आग–बबूला होना – अपने वश में रहना

(2) 'अत्यधिक प्रसन्न होना' अर्थ के लिए उचित मुहावरा है–
(क) आँखे खुलना
(ख) मन पसीजना
(ग) दिल बाग–बाग होना
(घ) घी के दीये जलाना

(3) 'सच्चे शूरवीर देश की रक्षा में प्राणों की ....।' रिक्त स्थान की पूर्ति हेतु उचित विकल्प चुनिए–
(क) बाजी लगा देते हैं
(ख) जान लगा देते हैं
(ग) ताकत लगा देते हैं
(घ) सुरक्षा लगा देते हैं

(4) 'अपने वश में न रहना' अर्थ के लिए उचित मुहावरा है–
(क) आँखों में तैरना
(ख) राह न सूझना
(ग) गिरह बाँधना
(घ) सुध–बुध खोना

(5) रेखांकित अंश के लिए कौन–सा मुहावरा प्रयुक्त करना उचित होगा–
मित्र मैं तुम्हें सचेत कर रहा हूँ कि उससे दोस्ती करना हितकर नहीं है। वह धोखा देने वाला साथी है।
(क) आस्तीन का साँप
(ख) ईद का चाँद
(ग) गुदड़ी का लाल
(घ) थाली का बैंगन

(6) विशेषज्ञ विद्वान को समझाना ऐसा ही है, जैसे ....। रिक्त स्थान की पूर्ति हेतु उचित मुहावरा चुनिए–
(क) अपना उल्लू सीधा करना
(ख) जले पर नमक छिड़कना
(ग) सूरज को दीपक दिखाना
(घ) ऊँट के मुँह में जीरा होना

7. **निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए–** $(1 \times 5 = 5)$

विपदाओं से मुझे बचाओ, यह मेरी प्रार्थना नहीं
केवल इतना हो (करुणामय)
कभी न विपदा में पाऊँ भय।
दुःख–ताप से, व्यथित चित्त को न दो सांत्वना नहीं सही
पर इतना होवे (करुणामय)
दुःख को मैं कर सकूँ सदा जय।
कोई कहीं सहायक न मिले
तो अपना बल पौरुष न हिले;
हानि उठानी पड़े जगत् में लाभ अगर वंचना रही
तो भी मन मैं ना मानूँ क्षय।।

(1) पद्यांश में कौन ईश्वर से प्रार्थना कर रहा है?
(क) एक बालक
(ख) एक भक्त
(ग) स्वयं कवि
(घ) एक किसान

(2) विपदा के विषय में कवि ईश्वर से क्या प्रार्थना करता है?
(क) मुझे विपदा से बचा लेना
(ख) विपदा में मेरी सहायता करना
(ग) मैं विपदा में कभी भयभीत न होऊँ
(घ) विपक्ष मेरे लिए वरदान बन जाए

(3) कवि किस पर विजय पाने की प्रार्थना करता है?
(क) शत्रुओं पर
(ख) मित्रों पर
(ग) इंद्रियों पर
(घ) दुःखों पर

(4) कवि कैसी स्थिति में बल–पौरुष न हिलने की प्रार्थना करता है?
(क) जब सामने शत्रु खड़ा हो
(ख) जब कोई सहायक न मिले
(ग) जब हानि हो जाए
(घ) जब सफलता न मिले

(5) निम्नलिखित वाक्यों को ध्यानपूर्वक पढ़िए–
(i) कवि विपत्तियों से बचाने के लिए ईश्वर से प्रार्थना कर रहा है
(ii) विपत्तियों से भयभीत न होने का आशीर्वाद माँग रहा है
(iii) वह स्वयं दुःख पर विजय प्राप्त करना चाहता है
(iv) जीवन में सहायक चाहता है।
(v) हिम्मत न हारने का आशीर्वाद चाहता है
पद्यांश से मेल खाते वाक्यों के लिए उचित विकल्प चुनिए–
(क) (i), (ii) और (iv)
(ख) (ii), (iii) और (v)
(ग) (i), (iv) और (v)
(घ) (ii), (iii) और (iv)

8. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर देने के लिए उचित विकल्प का चयन कीजिए– $(1 \times 2 = 2)$

(1) 'बूढ़तो गजराज राख्यो, काटी कुंजर पीर' पंक्ति का भाव है–
(क) जैसे आपने ऐरावत को मगरमच्छ से बचाया
(ख) जैसे आपने इंद्र को मगरमच्छ से बचाया
(ग) जैसे आपने प्रहलाद को मगरमच्छ से बचाया
(घ) जैसे आपने द्रौपदी को मगरमच्छ से बचाया

(2) ब्रिटिश सेना ने तोप का प्रयोग क्यों किया?
   (क) भारतीय देशभक्तों का दमन करने के लिए
   (ख) अपनी हुकूमत चलाने के लिए
   (ग) खुद को शक्तिशाली बनाने के लिए
   (घ) बातचीत बंद करने के लिए

9. **निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए–** $(1 \times 5 = 5)$

हमारी फिल्मों की सबसे बड़ी कमजोरी होती है, लोक तत्व का अभाव। वे जिंदगी से दूर होती है यदि त्रासद स्थितियों का चित्रांकन होता है तो उन्हें ग्लोरिफाई किया जाता है। दुःख का ऐसा वीभत्स रूप प्रस्तुत होता है जो दर्शकों का भावनात्मक शोषण कर सके और 'तीसरी कसम' की यह खास बात थी कि वह दुःख को भी सहज स्थिति में, जीवन–सापेक्ष प्रस्तुत करती है।

मैंने शैलेंद्र को गीतकार नहीं, कवि कहा है। वे सिनेमा की चकाचौंध के बीच रहते हुए यश और धन–लिप्सा से कोसों दूर थे। जो बात उनकी जिंदगी में थी वही उनके गीतों में भी। उनके गीतों में सिर्फ करुणा नहीं, जूझने का संकेत भी था और वह प्रक्रिया भी मौजूद थी जिसके तहत अपनी मंजिल तक पहुँचा जाता है। व्यथा आदमी को पराजित नहीं करती, उसे आगे बढ़ने का संदेश देती है।

(1) हमारी फिल्मों की सबसे बड़ी कमजोरी है–
   (क) कलात्मकता का अभाव
   (ख) अच्छे संगीत का अभाव
   (ग) लोक–तत्व का अभाव
   (घ) हिंसा की अधिकता

(2) भारतीय फिल्मों में किसे ग्लोरिफाई किया जाता है?
   (क) श्रृंगारिक दृश्यों को
   (ख) त्रासद स्थितियों के चित्रांकन को
   (ग) अपराध और हिंसा को
   (घ) भोग–विलास को

(3) निम्नलिखित कथन (A) तथा कारण (R) को ध्यानपूर्वक पढ़िए। उसके बाद दिए गए विकल्पों में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए–

   कथन (A) : लेखक ने शैलेंद्र को गीतकार नहीं, कवि कहा है

   कारण (R) : शैलेंद्र सिनेमा की चकाचौंध के बीच रहते हुए यश और धन–लिप्सा से कोसों दूर थे।

   (क) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत हैं
   (ख) कथन (A) गलत है लेकिन कारण (R) सही है
   (ग) कथन (A) सही है लेकिन कारण (R) उसकी गलत व्याख्या करता है
   (घ) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है

(4) शैलेंद्र के गीतों में क्या था?
   (क) करुणा का भाव
   (ख) जूझने का संकेत
   (ग) अपनी मंजिल तक पहुँचने की प्रक्रिया
   (घ) उपर्युक्त सभी

(5) व्यथा आदमी को करती है–
   (क) पराजित
   (ख) आगे बढ़ने के लिए प्रेरित
   (ग) निराश
   (घ) हतोत्साहित

10. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर देने के लिए उचित विकल्प का चयन कीजिए– $(1 \times 2 = 2)$

(1) निम्नलिखित में से कौन–से वाक्य स्पष्ट करते हैं कि जापानी लोगों को मानसिक बीमारियाँ अधिक होती हैं–

(i) जापानियों के जीवन की रफ्तार बढ़ गई है

(ii) वे एक महीने का काम एक दिन में करने का प्रयास करते हैं

(iii) ज्यादातर समय मोबाइल पर बिताते हैं

(iv) चाय पीना बहुत पसंद करते हैं

विकल्प

(क) (i) और (iii)

(ख) (ii) और (iii)

(ग) (i) और (iv)

(घ) (i) और (ii)

(2) कंपनी के वकील का कत्ल करके वजीर अली किधर भाग गया–

(क) इलाहाबाद की तरफ

(ख) हैदराबाद की तरफ

(ग) आजमगढ़ की तरफ

(घ) बनारस की तरफ

खंड ब – (वर्णनात्मक प्रश्न)

11. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए– $(3 \times 2 = 6)$

(1) आपके द्वारा इस पाठ्यक्रम में पढ़े गए पाठ में वर्तमान शिक्षा प्रणाली पर व्यंग्य किया गया है। कथन का मूल्यांकन करते हुए अपने विचार लिखिए।

(2) 'डायरी का एक पन्ना' पाठ देश की युवा पीढ़ी को किस प्रकार प्रभावित करता है?

(3) 'अब कहाँ दूसरे के दुख से दुखी होने वाले' पाठ में लेखक 'मिट्टी से मिट्टी मिले खो के सभी निशान' पंक्ति के माध्यम से क्या कहना चाहता है? उदाहरण देकर स्पष्ट कीजिए।

12. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए– $(3 \times 2 = 6)$

(1) कबीर की साखियों में कौन–कौन से जीवन मूल्य उभरते हैं?

(2) 'कर चले हम फ़िदा' कविता में किस प्रकार की मृत्यु को अच्छा कहा गया है और क्यों? इससे कवि क्या संदेश देना चाहता है?

(3) पर्वतीय प्रदेश में वर्षा के सौन्दर्य का वर्णन 'पर्वत प्रदेश में पावस' कविता के आधार पर अपने शब्दों में कीजिए।

13. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए– $(3 \times 2 = 6)$

(1) अपने जीते जी ही अपनी धन–संपत्ति को हड़पने के लिए रचे जा रहे षड्यंत्र और दाँव–पेच देखकर हरिहर काका पर क्या बीती होगी? कल्पना के आधार पर लिखिए।

(2) लेखक अपने छात्र जीवन में स्कूल से छुट्टियों में मिले काम को पूरा करने के लिए क्या–क्या योजनाएं बनाया करते थे और उसे पूरा न कर पाने की स्थिति में किसकी भांति 'बहादुर' बनने की कल्पना किया करते थे?

(3) टोपी ने इफ़्फ़न से दादी बदलने की बात क्यों कही? 'टोपी शुक्ला' पाठ के आधार पर उत्तर दीजिए।

14. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर संकेत-बिंदुओं के आधार पर लगभग 100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए- $(5 \times 1 = 5)$

(1) **स्वावलंबन**
- स्वावलंबन का अर्थ
- आत्मविश्वास की सीढ़ी
- स्वावलम्बी समाज राष्ट्र का हितैषी

(2) **परहित सरिस धर्म नहिं भाई**
- मनुष्यता की कसौटी
- जीवन की सार्थकता
- परोपकार से आनंद की अनुभूति

(3) **मेक इन इण्डिया**
- वस्तुओं का भारत में निर्माण
- आरम्भ और लक्ष्य
- लाभ और क्षेत्र
- उज्ज्वल औद्योगिक भविष्य

15. (1) आपका पानी का मीटर खराब पड़ा है और इस कारण सही भुगतान नहीं हो पा रहा है। कार्यपालक अभियंता को इस संबंध में लगभग 100 शब्दों में एक पत्र लिखिए। $(5 \times 1 = 5)$

अथवा

(2) अपने क्षेत्र में पेड़-पौधों के अनियंत्रित कटाव को रोकने के लिए जिलाधिकारी को लगभग 100 शब्दों में एक पत्र लिखिए।

16. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर पर लगभग 80 शब्दों में सूचना लिखिए- $(4 \times 1 = 4)$

(1) विद्यालय में छुट्टी के दिनों में प्रातःकाल योग की अभ्यास कक्षाएँ चलने की सूचना देते हुए इच्छुक विद्यार्थियों द्वारा अपना नाम देने हेतु सूचना पट्ट के लिए लगभग 80 शब्दों में सूचना जारी करें।

अथवा

(2) आप एन. के. विद्यालय के प्रधानाचार्य हैं। दिल्ली में लगी व्यावसायिक प्रदर्शनी (ट्रेड फेयर) देखने के इच्छुक विद्यार्थियों को वहाँ ले जाने की सूचना लगभग 80 शब्दों में जारी करें।

17. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 60 शब्दों में विज्ञापन तैयार कीजिए- $(3 \times 1 = 3)$

(1) 'सोलर कुकर' बनाने वाली एक कम्पनी के लिए विज्ञापन लगभग 60 शब्दों में तैयार कीजिए।

अथवा

(2) राष्ट्रीय पुस्तक मेले में पुस्तक प्रदर्शनी हेतु लगभग 60 शब्दों में विज्ञापन तैयार कीजिए।

18. (1) 'ईमानदारी का फल' विषय पर लघु कथा लगभग 100 शब्दों में लिखिए। $(5 \times 1 = 5)$

अथवा

(2) आपने यात्रा के दौरान एक उपरगामी पुल को जर्जर हालत में देखा है। वह पुल कभी भी किसी दुर्घटना का कारण बन सकता है। आपने वहाँ रुककर अपने मोबाइल से उसका चित्र भी लिया है। उस चित्र सहित लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता को पुल की मरम्मत के संदर्भ में एक ई-मेल लिखिए।

प्रतिदर्श प्रश्न पत्र 4 (सॉल्वड)

कक्षा–10 परीक्षा 2022–23

हिन्दी–ब (कोड–085)

निर्धारित समय– 3 घंटे **पूर्णांक – 80**

सामान्य निर्देश–

1. इस प्रश्नपत्र में दो खंड हैं– खंड 'अ' और 'ब'।
2. खंड 'अ' में उपप्रश्नों सहित 45 वस्तुपरक प्रश्न पूछे गए हैं। दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए कुल 40 प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
3. खंड 'ब' में वर्णनात्मक प्रश्न पूछे गए हैं, आंतरिक विकल्प भी दिए गए हैं।
4. निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका पालन कीजिए।
5. दोनों खंड़ों के कुल 18 प्रश्न हैं। दोनों खंड़ों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
6. यथासभव दोनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर क्रमशः लिखिए।

खंड अ – (वस्तुपरक प्रश्न)

1. **निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर इसके आधार पर सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए–** $(1 \times 5 = 5)$

पर्यावरण का हमारे जीवन में बहुत महत्त्व है। मनुष्य एक पल भी इसके बगैर नहीं रह सकता। इसके समृद्ध और स्वस्थ होने से ही हमारा जीवन भी समृद्ध और सुखी होता है। हमारे पूर्वज प्रकृति की दैवीशक्ति के रूप में उपासना करते थे, उसे 'परमेश्वरी' भी कहते थे। उन्होंने पर्यावरण पर बहुत गहन चिंतन किया। जो कुछ पर्यावरण के लिए हानिकारक था, उसे आसुरी प्रवृत्ति कहा और जो हितकर था, उसे दैवी प्रवृत्ति माना। भारत के पुराने ग्रंथों में वृक्षों और वनों का चित्रण पृथ्वी के रक्षकवस्त्रों के रूप में किया गया है। उनको संतान की तरह पाला जाता था और हरे–भरे पेड़ों को अपने किसी स्वार्थ के लिए काटना पाप कहा जाता था। अनावश्यक रूप से पेड़ों को काटने पर दंड का विधान भी था। मनुष्य यह समझता है कि समस्त प्राकृतिक संपदा पर केवल उसी का आधिपत्य है। हम जैसा चाहें इसका उपभोग करें। इसी भोगवादी प्रवृत्ति के कारण मानव ने इसका इस हद तक शोषण कर लिया है कि अब उसका अस्तित्व ही संकट में पड़ गया है। वैज्ञानिक बार–बार चेतावनी दे रहे हैं कि प्रकृति और पर्यावरण की रक्षा करो, अन्यथा मानव जाति नहीं बच पाएगी। भारतीय संस्कृति में वृक्षों की रक्षा के महत्व को 'तुलसी और पीपल' के उदाहरणों से समझा जा सकता है। इन जीवनोपयोगी वृक्षों की देवी–देवता के समान ही पूजा की जाती है। पर्यावरण की दृष्टि से वृक्ष को परमरक्षक और मित्र बताया गया है। यह हमें अमृत प्रदान करता है, दूषित वायु को स्वयं ग्रहण करके हमें प्राणवायु देता है, मरुस्थल का नियंत्रक होता है, नदियों की बाढ़ को रोकता है और जलवायु को स्वच्छ बनाता है; इसलिए हमें वृक्षमित्र होकर जीवनयापन करना चाहिए।

(1) पूर्वजों ने आसुरी प्रवृत्ति किसे माना है?
(क) जो पर्यावरण के लिए हानिकारक है
(ख) जो पर्यावरण के लिए हितकर है
(ग) जो जन–कल्याणकारी है
(घ) जो देवताओं के विरुद्ध है
उत्तर : (क) जो पर्यावरण के लिए हानिकारक है

(2) भारत के प्राचीन ग्रंथों में वृक्षों और वनों का चित्रण किस रूप में किया गया है?
(क) रमणीय स्थलों के रूप में
(ख) पृथ्वी के रक्षक वस्त्रों के रूप में
(ग) आश्रमों के रूप में
(घ) जीवन–रक्षकों के रूप में
उत्तर : (ख) पृथ्वी के रक्षक वस्त्रों के रूप में

(3) वैज्ञानिक बार–बार क्या चेतावनी देते हैं?
(क) भूकंप आने की
(ख) बाढ़ के आने की
(ग) प्रलय के आने की
(घ) मानव जाति के विनाश की
उत्तर : (घ) मानव जाति के विनाश की

(4) भारतीय संस्कृति में वृक्षों की रक्षा के महत्व को किसके उदाहरण से समझा जा सकता है?
(क) नीम और जामुन के
(ख) आम और अमरूद के
(ग) तुलसी और पीपल के
(घ) अदरक और हल्दी के
उत्तर : (ग) तुलसी और पीपल के

(5) निम्नलिखित कथन (A) तथा कारण (R) को ध्यानपूर्वक पढ़िए। उसके बाद दिए गए विकल्पों में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए–
कथन (A) : हमारे पूर्वज प्रकृति को विज्ञान के रूप में मान्यता देते थे।
कारण (R) : उन्होंने पर्यावरण का दोहन अपने लाभ के लिए किया।
(क) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत हैं
(ख) कथन (A) गलत है लेकिन कारण (R) सही है
(ग) कथन (A) सही है लेकिन कारण (R) उसकी गलत व्याख्या करता है
(घ) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है
उत्तर : (क) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत हैं

2. **निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर इसके आधार पर सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए–** $(1 \times 5 = 5)$

दैनिक जीवन में हम अनेक लोगों से मिलते हैं जो विभिन्न प्रकार के काम करते हैं– सड़क पर ठेला लगाने वाला, दूध वाला, नगर–निगम का सफाईकर्मी, बस कंडक्टर, स्कूल अध्यापक, हमारा सहपाठी और ऐसे ही कई अन्य लोग। शिक्षा, वेतन, परंपरागत चलन और व्यवसाय के स्तर पर कुछ लोग निम्न स्तर पर कार्य करते हैं तो कुछ उच्च स्तर पर। एक माली के कार्य को सरकारी कार्यालय के किसी सचिव के कार्य से अतिनिम्न स्तर का माना जाता है, किंतु यदि यही अपने कार्य को कुशलतापूर्वक करता है और उत्कृष्ट सेवाएँ प्रदान करता है तो उसका कार्य उस सचिव के कार्य से कहीं बेहतर है, जो अपने काम में ढिलाई बरतता है तथा अपने उत्तरदायित्वों का निर्वाह नहीं करता। क्या आप ऐसे सचिव को एक आदर्श अधिकारी कह सकते हैं? वास्तव में पद महत्वपूर्ण नहीं है, बल्कि महत्वपूर्ण होता है कार्य के प्रति समर्पण–भाव और कार्यप्रणाली में पारदर्शिता। इस संदर्भ में गाँधीजी से उत्कृष्ट उदाहरण और किसका दिया जा सकता है, जिन्होंने अपने हर कार्य को गरिमामय मानते हुए किया। वे अपने सहयोगियों को श्रम की गरिमा की सीख दिया करते थे। दक्षिण अफ्रीका में भारतीय लोगों के लिए संघर्ष करते हुए उन्होंने सफाई करने जैसे कार्य को भी कभी नीचा नहीं समझा और इसी कारण स्वयं उनकी पत्नी कस्तूरबा से भी उनके मतभेद हो गए थे।

बाबा आमटे ने समाज द्वारा तिरस्कृत कुष्ठ रोगियों की सेवा में अपना समस्त जीवन समर्पित कर दिया। सुंदरलाल बहुगुणा ने अपने प्रसिद्ध 'चिपको आंदोलन' के माध्यम से पेड़ों को संरक्षण प्रदान किया। फ़ादर डेमियन ऑफ मोलाकाई, मार्टिन लूथर किंग और मदर टेरेसा जैसी महान आत्माओं ने इसी सत्य को ग्रहण किया। इनमें से किसी ने भी कोई सत्ता प्राप्त नहीं की, बल्कि अपने जनकल्याणकारी कार्यों से लोगों के दिलों पर शासन किया। गांधीजी का स्वतंत्रता के लिए संघर्ष उनके जीवन का एक पहलू है, किन्तु उनका मानसिक क्षितिज वास्तव में एक राष्ट्र की सीमाओं में बँधा हुआ नहीं था। उन्होंने सभी लोगों में ईश्वर के दर्शन किए। यही कारण था कि कभी किसी पंचायत तक के सदस्य नहीं बनने वाले गांधी जी की जब मृत्यु हुई तो अमेरिका का राष्ट्रध्वज भी झुका दिया गया था।

(1) कार्यप्रणाली में पारदर्शिता का तात्पर्य है–
(क) काम करने के ढंग में बरती गई चालाकी
(ख) काम करने के ढंग में बरती गई ईमानदारी
(ग) काम करने के ढंग में बरती गई दृढ़ता
(घ) काम करने के ढंग में बरती गई सोच
उत्तर : (ख) काम करने के ढंग में बरती गई ईमानदारी

(2) समाज में व्यक्ति का स्तर किस आधार पर निश्चित होता है?
(क) शिक्षा के आधार पर
(ख) वेतन और परंपरागत चलन के आधार पर
(ग) व्यवसाय के आधार पर
(घ) उपर्युक्त सभी
उत्तर : (घ) उपर्युक्त सभी

(3) निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–

(i) कर्तव्य के प्रति समर्पण व्यक्ति के स्तर को निम्न बनाता है

(ii) कम आय वाले कार्य निम्न स्तर के होते हैं

(iii) पद से अधिक महत्वपूर्ण कार्य के प्रति समर्पण भाव और कार्यप्रणाली में पारदर्शिता होता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन–सा/कौन–से कथन सही है/हैं–

(क) (i) और (ii)

(ख) (ii) और (iii)

(ग) केवल (i)

(घ) केवल (ii)

उत्तर : (ख) (ii) और (iii)

(4) एक माली का कार्य सरकारी सचिव के कार्य से भी बेहतर है, यदि–

(क) माली को अधिक वेतन मिले

(ख) सचिव अपने काम को कुशलता पूर्वक से न करे

(ग) माली अपने काम को कुशलतापूर्वक करे, किंतु सचिव ढिलाई बरते

(घ) दोनों का वेतन बराबर हो

उत्तर : (ग) माली अपने काम को कुशलतापूर्वक करे, किंतु सचिव ढिलाई बरते

(5) कभी किसी पंचायत तक के सदस्य नहीं बनने वाले गाँधीजी की जब मृत्यु हुई तो अमेरिका का राष्ट्र ध्वज क्यों झुका दिया गया था?

(क) गाँधीजी सभी लोगों में ईश्वर के दर्शन करते थे

(ख) गाँधीजी को अमेरिका का सर्वोच्च नागरिक सम्मान प्राप्त था

(ग) गाँधीजी अमेरिका में कई जनकल्याणकारी कार्य किए थे

(घ) अमेरिका के स्वाधीनता संघर्ष में गाँधीजी ने महत्त्वपूर्ण योगदान दिया था

उत्तर : (क) गाँधीजी सभी लोगों में ईश्वर के दर्शन करते थे

3. निर्देशानुसार 'पदबंध' पर आधारित पाँच बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए– $(1 \times 4 = 4)$

(1) 'फटे–पुराने वस्त्रों वाला कोई दरवाजे पर खड़ा है।' इस वाक्य में रेखांकित पदबंध है–

(क) संज्ञा पदबंध

(ख) क्रियाविशेषण पदबंध

(ग) सर्वनाम पदबंध

(घ) क्रिया पदबंध

उत्तर : (ग) सर्वनाम पदबंध

(2) निम्नलिखित में से विशेषण पदबंध का उदाहरण है–

(क) वह अब तक सो चुका होगा।

(ख) रात–दिन मेहनत करने वाला छात्र प्रथम आया है।

(ग) मैं इधर–उधर भटक रहा था

(घ) उसके बाल सुंदर हैं

उत्तर : (घ) उसके बाल सुंदर हैं

(3) 'कार्य निरंतर किया जा रहा है।' इस वाक्य में क्रिया पदबंध है–

(क) कार्य किया जा रहा है

(ख) निरंतर किया जा रहा है

(ग) किया जा रहा है

(घ) कार्य निरंतर

उत्तर : (ग) किया जा रहा है

(4) 'हमने काला लंबा साँप देखा।' इस वाक्य में रेखांकित पदबंध है–

(क) विशेषण पदबंध

(ख) संज्ञा पदबंध

(ग) सर्वनाम पदबंध

(घ) क्रियाविशेषण पदबंध

उत्तर : (क) विशेषण पदबंध

(5) 'तताँरा एक नेक और मददगार व्यक्ति था।' इस वाक्य में रेखांकित पदबंध है–

(क) विशेषण पदबंध

(ख) संज्ञा पदबंध

(ग) क्रिया पदबंध

(घ) क्रियाविशेषण पदबंध

उत्तर : (क) विशेषण पदबंध

4. निर्देशानुसार 'रचना के आधार पर वाक्य भेद' पर आधारित पाँच बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए– $(1 \times 4 = 4)$

(1) 'वामीरो कुछ सचेत हुई और घर की तरफ दौड़ी।' इस संयुक्त वाक्य को परिवर्तित करने पर सरल वाक्य होगा–

(क) जैसे ही वामीरो सचेत हुई वैसे ही वह घर की तरफ दौड़ी

(ख) वामीरो कुछ सचेत हुई और वह घर की तरफ दौड़ी

(ग) वामीरो कुछ सचेत होने पर घर की तरफ दौड़ी

(घ) सचेत वामीरो हुई तथा घर की तरफ दौड़ी

उत्तर : (ग) वामीरो कुछ सचेत होने पर घर की तरफ दौड़ी

(2) 'एक जमाना था कि लोग आठवाँ दरजा पास करके नायब तहसीलदार हो जाते थे।' रचना की दृष्टि से वाक्य है–
(क) सरल वाक्य
(ख) संयुक्त वाक्य
(ग) मिश्र वाक्य
(घ) सामान्य वाक्य
उत्तर : (ग) मिश्र वाक्य

(3) निम्नलिखित वाक्यों में मिश्र वाक्य है–
(क) मेरे और भाई साहब के बीच अब केवल एक दरजे का अंतर और रह गया
(ख) आखिर आदमी को कुछ तो अपनी पोजीशन का खयाल रखना चाहिए
(ग) जब से माताजी ने प्रबंध अपने हाथ में ले लिया है, तब से घर में लक्ष्मी आ गई है
(घ) मेरे रहते तुम बैराह न चलने पाओगे
उत्तर : (ग) जब से माताजी ने प्रबंध अपने हाथ में ले लिया है, तब से घर में लक्ष्मी आ गई है

(4) 'वीर सैनिक देश के लिए मर मिटता है, इसलिए वह सच्चा देशभक्त होता है।' रचना के आधार पर वाक्य का भेद है–
(क) सरल वाक्य
(ख) संयुक्त वाक्य
(ग) दीर्घ वाक्य
(घ) मिश्र वाक्य
उत्तर : (ख) संयुक्त वाक्य

(5) 'छात्र स्कूल से घर आया और खेलने चला गया।' इस वाक्य का मिश्र वाक्य में रूपांतरण होगा–
(क) छात्र जब स्कूल से घर आया तो खेलने चला गया।
(ख) छात्र स्कूल से घर आया इसलिए खेलने चला गया।
(ग) छात्र स्कूल से घर आया, लेकिन खेलने चला गया।
(घ) छात्र स्कूल से घर आकर खेलने चला गया।
उत्तर : (क) छात्र जब स्कूल से घर आया तो खेलने चला गया।

5. निर्देशानुसार 'समास' पर आधारित पाँच बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए– $(1 \times 4 = 4)$

(1) 'लोकप्रिय' समस्तपद में कौन–सा समास है?
(क) तत्पुरुष समास
(ख) कर्मधारय समास
(ग) अव्ययीभाव समास
(घ) द्वंद्व समास
उत्तर : (क) तत्पुरुष समास

(2) 'सज्जन' समस्तपद का समास–विग्रह होगा
(क) सद् है जो जन
(ख) सत् है जो जन
(ग) अच्छा है जो पुरुष
(घ) सत् के समान जन
उत्तर : (ख) सत् है जो जन

(3) निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिए–

	समस्त पद		**समास**
(i)	देशभक्ति	(i)	तत्पुरुष समास
(ii)	वनवास	(ii)	द्विगु समास
(iii)	कालीमिर्च	(iii)	कर्मधारय समास
(iv)	चौमासा	(iv)	द्वंद्व समास

उपर्युक्त युग्मों में से कौन–से सही सुमेलित हैं–
(क) (i) और (iii)
(ख) (ii) और (iii)
(ग) (iii) और (iv)
(घ) (i) और (iv)
उत्तर : (क) (i) और (iii)

(4) 'शब्दहीन' शब्द के लिए सही समास विग्रह और भेद का चयन कीजिए–
(क) शब्द है जो हीन – कर्मधारय समास
(ख) हीन है जो शब्द – तत्पुरुष समास
(ग) शब्द से हीन – कर्मधारय समास
(घ) शब्द से हीन – तत्पुरुष समास
उत्तर : (घ) शब्द से हीन – तत्पुरुष समास

(5) 'चिंतामग्न' समस्तपद के लिए सही समास–विग्रह और भेद चुनिए–
(क) चिंता से युक्त – तत्पुरूष समास
(ख) चिंता से ग्रस्त – तत्पुरूष समास
(ग) चिंता में मग्न – तत्पुरूष समास
(घ) चिंता से निश्चिंत – तत्पुरूष समास
उत्तर : (ग) चिंता में मग्न – तत्पुरूष समास

6. निर्देशानुसार 'मुहावरे' पर आधारित छह बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं <u>चार</u> प्रश्नों के उत्तर दीजिए– **$(1 \times 4 = 4)$**

(1) मुहावरे और अर्थ के उचित मेल वाले विकल्प चयन कीजिए–

(क) घुड़कियाँ खाना – साहस प्राप्त होना

(ख) तलवार खींचना – सब कुछ नष्ट करना

(ग) पन्ने रँगना – समय नष्ट करना

(घ) आग–बबूला होना – अपने वश में रहना

उत्तर : (ग) पन्ने रँगना – समय नष्ट करना

(2) 'अत्यधिक प्रसन्न होना' अर्थ के लिए उचित मुहावरा है–

(क) आँखे खुलना

(ख) मन पसीजना

(ग) दिल बाग–बाग होना

(घ) घी के दीये जलाना

उत्तर : (ग) दिल बाग–बाग होना

(3) 'सच्चे शूरवीर देश की रक्षा में प्राणों की ....।' रिक्त स्थान की पूर्ति हेतु उचित विकल्प चुनिए–

(क) बाजी लगा देते हैं

(ख) जान लगा देते हैं

(ग) ताकत लगा देते हैं

(घ) सुरक्षा लगा देते हैं

उत्तर : (क) बाजी लगा देते हैं

(4) 'अपने वश में न रहना' अर्थ के लिए उचित मुहावरा है–

(क) आँखों में तैरना

(ख) राह न सूझना

(ग) गिरह बाँधना

(घ) सुध–बुध खोना

उत्तर : (घ) सुध–बुध खोना

(5) रेखांकित अंश के लिए कौन–सा मुहावरा प्रयुक्त करना उचित होगा–

मित्र मैं तुम्हें सचेत कर रहा हूँ कि उससे दोस्ती करना हितकर नहीं है। वह <u>धोखा देने वाला साथी</u> है।

(क) आस्तीन का साँप

(ख) ईद का चाँद

(ग) गुदड़ी का लाल

(घ) थाली का बैंगन

उत्तर : (क) आस्तीन का साँप

(6) विशेषज्ञ विद्वान को समझाना ऐसा ही है, जैसे ....। रिक्त स्थान की पूर्ति हेतु उचित मुहावरा चुनिए–

(क) अपना उल्लू सीधा करना

(ख) जले पर नमक छिड़कना

(ग) सूरज को दीपक दिखाना

(घ) ऊँट के मुँह में जीरा होना

उत्तर : (ग) सूरज को दीपक दिखाना

7. निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए– **$(1 \times 5 = 5)$**

विपदाओं से मुझे बचाओ, यह मेरी प्रार्थना नहीं
केवल इतना हो (करुणामय)
कभी न विपदा में पाऊँ भय।
दुःख–ताप से, व्यथित चित्त को न दो सांत्वना नहीं सही
पर इतना होवे (करुणामय)
दुःख को मैं कर सकूँ सदा जय।
कोई कहीं सहायक न मिले
तो अपना बल पौरुष न हिले;
हानि उठानी पड़े जगत् में लाभ अगर वंचना रही
तो भी मन मैं ना मानूँ क्षय।।

(1) पद्यांश में कौन ईश्वर से प्रार्थना कर रहा है?

(क) एक बालक

(ख) एक भक्त

(ग) स्वयं कवि

(घ) एक किसान

उत्तर : (ग) स्वयं कवि

(2) विपदा के विषय में कवि ईश्वर से क्या प्रार्थना करता है?

(क) मुझे विपदा से बचा लेना

(ख) विपदा में मेरी सहायता करना

(ग) मैं विपदा में कभी भयभीत न होऊँ

(घ) विपक्ष मेरे लिए वरदान बन जाए

उत्तर : (ग) मैं विपदा में कभी भयभीत न होऊँ

(3) कवि किस पर विजय पाने की प्रार्थना करता है?

(क) शत्रुओं पर

(ख) मित्रों पर

(ग) इंद्रियों पर

(घ) दुःखों पर

उत्तर : (घ) दुःखों पर

(4) कवि कैसी स्थिति में बल–पौरुष न हिलने की प्रार्थना करता है?
(क) जब सामने शत्रु खड़ा हो
(ख) जब कोई सहायक न मिले
(ग) जब हानि हो जाए
(घ) जब सफलता न मिले
उत्तर : (ख) जब कोई सहायक न मिले

(5) निम्नलिखित वाक्यों को ध्यानपूर्वक पढ़िए–
(i) कवि विपत्तियों से बचाने के लिए ईश्वर से प्रार्थना कर रहा है
(ii) विपत्तियों से भयभीत न होने का आशीर्वाद माँग रहा है
(iii) वह स्वयं दुःख पर विजय प्राप्त करना चाहता है
(iv) जीवन में सहायक चाहता है।
(v) हिम्मत न हारने का आशीर्वाद चाहता है
पद्यांश से मेल खाते वाक्यों के लिए उचित विकल्प चुनिए–
(क) (i), (ii) और (iv)
(ख) (ii), (iii) और (v)
(ग) (i), (iv) और (v)
(घ) (ii), (iii) और (iv)
उत्तर : (ख) (ii), (iii) और (v)

8. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर देने के लिए उचित विकल्प का चयन कीजिए– $(1 \times 2 = 2)$

(1) 'बूढ़तो गजराज राख्यो, काटी कुंजर पीर' पंक्ति का भाव है–
(क) जैसे आपने ऐरावत को मगरमच्छ से बचाया
(ख) जैसे आपने इंद्र को मगरमच्छ से बचाया
(ग) जैसे आपने प्रहलाद को मगरमच्छ से बचाया
(घ) जैसे आपने द्रौपदी को मगरमच्छ से बचाया
उत्तर : (क) जैसे आपने ऐरावत को मगरमच्छ से बचाया

(2) ब्रिटिश सेना ने तोप का प्रयोग क्यों किया?
(क) भारतीय देशभक्तों का दमन करने के लिए
(ख) अपनी हुकूमत चलाने के लिए
(ग) खुद को शक्तिशाली बनाने के लिए
(घ) बातचीत बंद करने के लिए
उत्तर : (क) भारतीय देशभक्तों का दमन करने के लिए

9. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए– $(1 \times 5 = 5)$

हमारी फिल्मों की सबसे बड़ी कमजोरी होती है, लोक तत्व का अभाव। वे जिंदगी से दूर होती है यदि त्रासद स्थितियों का चित्रांकन होता है तो उन्हें ग्लोरिफाई किया जाता है। दुःख का ऐसा वीभत्स रूप प्रस्तुत होता है जो दर्शकों का भावनात्मक शोषण कर सके और 'तीसरी कसम' की यह खास बात थी कि वह दुःख को भी सहज स्थिति में, जीवन–सापेक्ष प्रस्तुत करती है।

मैंने शैलेंद्र को गीतकार नहीं, कवि कहा है। वे सिनेमा की चकाचौंध के बीच रहते हुए यश और धन–लिप्सा से कोसों दूर थे। जो बात उनकी जिंदगी में थी वही उनके गीतों में भी। उनके गीतों में सिर्फ करुणा नहीं, जूझने का संकेत भी था और वह प्रक्रिया भी मौजूद थी जिसके तहत अपनी मंजिल तक पहुँचा जाता है। व्यथा आदमी को पराजित नहीं करती, उसे आगे बढ़ने का संदेश देती है।

(1) हमारी फिल्मों की सबसे बड़ी कमजोरी है–
(क) कलात्मकता का अभाव
(ख) अच्छे संगीत का अभाव
(ग) लोक–तत्व का अभाव
(घ) हिंसा की अधिकता
उत्तर : (ग) लोक–तत्व का अभाव

(2) भारतीय फिल्मों में किसे ग्लोरिफाई किया जाता है?
(क) शृंगारिक दृश्यों को
(ख) त्रासद स्थितियों के चित्रांकन को
(ग) अपराध और हिंसा को
(घ) भोग–विलास को
उत्तर : (ख) त्रासद स्थितियों के चित्रांकन को

(3) निम्नलिखित कथन (A) तथा कारण (R) को ध्यानपूर्वक पढ़िए। उसके बाद दिए गए विकल्पों में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए–
कथन (A) : लेखक ने शैलेंद्र को गीतकार नहीं, कवि कहा है
कारण (R) : शैलेंद्र सिनेमा की चकाचौंध के बीच रहते हुए यश और धन–लिप्सा से कोसों दूर थे।
(क) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत हैं
(ख) कथन (A) गलत है लेकिन कारण (R) सही है
(ग) कथन (A) सही है लेकिन कारण (R) उसकी गलत व्याख्या करता है
(घ) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है
उत्तर : (घ) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है

(4) शैलेंद्र के गीतों में क्या था?

(क) करुणा का भाव

(ख) जूझने का संकेत

(ग) अपनी मंजिल तक पहुँचने की प्रक्रिया

(घ) उपर्युक्त सभी

उत्तर : (घ) उपर्युक्त सभी

(5) व्यथा आदमी को करती है–

(क) पराजित

(ख) आगे बढ़ने के लिए प्रेरित

(ग) निराश

(घ) हतोत्साहित

उत्तर : (ख) आगे बढ़ने के लिए प्रेरित

10. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर देने के लिए उचित विकल्प का चयन कीजिए– $(1 \times 2 = 2)$

(1) निम्नलिखित में से कौन–से वाक्य स्पष्ट करते हैं कि जापानी लोगों को मानसिक बीमारियाँ अधिक होती हैं–

(i) जापानियों के जीवन की रफ्तार बढ़ गई है

(ii) वे एक महीने का काम एक दिन में करने का प्रयास करते हैं

(iii) ज्यादातर समय मोबाइल पर बिताते हैं

(iv) चाय पीना बहुत पसंद करते हैं

विकल्प

(क) (i) और (iii)

(ख) (ii) और (iii)

(ग) (i) और (iv)

(घ) (i) और (ii)

उत्तर : (घ) (i) और (ii)

(2) कंपनी के वकील का कत्ल करके वजीर अली किधर भाग गया–

(क) इलाहाबाद की तरफ

(ख) हैदराबाद की तरफ

(ग) आजमगढ़ की तरफ

(घ) बनारस की तरफ

उत्तर : (ग) आजमगढ़ की तरफ

खंड ब – (वर्णनात्मक प्रश्न)

11. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए– $(3 \times 2 = 6)$

(1) आपके द्वारा इस पाठ्यक्रम में पढ़े गए पाठ में वर्तमान शिक्षा प्रणाली पर व्यंग्य किया गया है। कथन का मूल्यांकन करते हुए अपने विचार लिखिए।

उत्तर :

'बड़े भाई साहब' पाठ में वर्तमान शिक्षा–प्रणाली को रटंत शिक्षा कहा गया है। यानी अक्षर–अक्षर रटकर विद्यार्थी पास तो हो जाते हैं परंतु उनका व्यावहारिक ज्ञान शून्य रह जाता है। इस प्रकार की शिक्षा का कोई लाभ नहीं, जो तुम्हें एक दरजे से दूसरे दरजे तक तो पहुँचा देती है मगर कुछ समय बाद समस्त याद किया हुआ भूल जाता है। विद्यार्थियों को अनावश्यक ही दस–दस पेज के निबंध लिखवाए जाते हैं। कहने को तो संक्षिप्त वर्णन करने को कहा जाता है। किताबों पर पढ़ाई का बोझ अनावश्यक है। परीक्षाओं का खतरा भी विद्यार्थियों पर मंडराता ही रहता है। यह सब हमारी वर्तमान शिक्षा प्रणाली की कमियाँ हैं जिन्हें दूर करके एक ऐसी व्यवस्था करनी होगी, जो छात्रों को बोझिल न लगे और शिक्षा में उनकी रुचि हो।

(2) 'डायरी का एक पन्ना' पाठ देश की युवा पीढ़ी को किस प्रकार प्रभावित करता है?

उत्तर :

प्रस्तुत पाठ के लेखक स्वयं एक सच्चे देशभक्त और आजादी के प्रिय थे। उनकी 'डायरी का एक पन्ना' भारत के इतिहास में एक सम्मानजनक स्थान रखता है। वास्तव में देखा जाए तो यह हमारे लिए इतिहास की एक धरोहर है। यह पाठ हमारी युवा–पीढ़ी को उन देशभक्तों की याद दिलाता है, जो देश के लिए कुर्बान हो गए और दे गए हमें एक स्वतंत्र–भारत। आज की युवा पीढ़ी के लिए वे एक प्रेरणा बन गए और सच्चे मार्गदर्शक भी। आशादी का इतिहास युवाओं को यह संदेश देता है कि उन्हें भी देश की प्रगति व विकास में योगदान देना चाहिए।

(3) 'अब कहाँ दूसरे के दुख से दुखी होने वाले' पाठ में लेखक 'मिट्टी से मिट्टी मिले खो के सभी निशान' पंक्ति के माध्यम से क्या कहना चाहता है? उदाहरण देकर स्पष्ट कीजिए।

उत्तर :

'मिट्टी से मिट्टी मिले खो के सभी निशान' पंक्ति के माध्यम से लेखक यह समझाने का प्रयास कर रहा है कि इस संसार की रचना ईश्वर ने की है। सभी जीव ईश्वर द्वारा ही बनाए गए हैं। सबका रचनाकार एक है। इसलिए आपसी भेदभाव और ऊँच–नीच की भावना को समाप्त करना चाहिए। ईश्वर की दृष्टि में जब कोई छोटा या बड़ा नहीं है, फिर हम अंतर क्यों करें? मृत्यु के पश्चात् भी सबका अंत एक ही है। सब मरने के बाद इसी मिट्टी में मिल जाते हैं। चाहे कोई राजा हो या रंक मरने

के बाद राख ही बन जाता है। राजा और रंक होने के निशान तभी तक दिखाई देते हैं, जब तक हम जीवित हैं। मरने के बाद कोई निशान नहीं रहता। सब जीवों का अंत यही होता है। शरीर रूपी मिट्टी धरती की मिट्टी में मिल जाती है। मानव, पशु, पक्षी, कीट–पतंग सभी का जन्म ईश्वर की इच्छानुसार ही होता है और उसी की इच्छानुसार ही सबका एक जैसा ही अंत होता है।

12. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए– **$(3 \times 2 = 6)$**

(1) कबीर की साखियों में कौन–कौन से जीवन मूल्य उभरते हैं?

उत्तर :

कबीर की साखियों में जीवन–मूल्यों की भरमार है। इस पाठ में निम्नलिखित जीवन–मूल्य उभरते हैं–

(क) हमें सदा मधुर वाणी बोलनी चाहिए। इससे बोलने वाले और सुनने वाले दोनों को ही लाभ मिलता है।

(ख) अपने अहं भाव को त्याग दें तो ईश्वर का वास अंतरतम में स्पष्ट दिखेगा।

(ग) प्रेम के अक्षर का महत्त्व दर्शाया गया है।

(घ) निंदक को पास रखने से खुद के आचरण में सुधार होगा।

(ड.) भोग–विलास और वासनाओं को नष्ट करना आवश्यक है।

(च) ज्ञान सर्वोपरि है।

(2) 'कर चले हम फ़िदा' कविता में किस प्रकार की मृत्यु को अच्छा कहा गया है और क्यों? इससे कवि क्या संदेश देना चाहता है?

उत्तर :

प्रस्तुत कविता देशभक्ति और बलिदान पर आधारित कविता है। कवि उस मृत्यु को अच्छा मानते हैं जो कि एक शहीद की होती है। जब एक सैनिक सरहद पर लड़ते–लड़ते देश के लिए शहीद हो जाता है तो कवि उस मृत्यु को सफल मानते हैं। इससे अन्य देशवासियों को भी यह प्रेरणा मिलती है कि उन्हें भी देशभक्त बनकर बलिदान के लिए तैयार रहना चाहिए। जो लोग देश के लिए कुरबान हो जाते हैं उनका नाम अमर हो जाता है। वास्तव में कवि भी हमें यही संदेश देना चाहते हैं कि जियो तो देश के लिए, मरो तो देश के लिए। कवि आज की युवा पीढ़ी से यही आशा करते हैं कि वे भी देश के मान–सम्मान की रक्षा के लिए सदैव तैयार रहें। वे देश की प्रगति में योगदान दें। अपने मार्ग में आने वाली हर रूकावट को दूर करें और यदि कभी आवश्यकता पड़ेगी तो प्राणों का बलिदान देने में भी पीछे नहीं हटें।

(3) पर्वतीय प्रदेश में वर्षा के सौन्दर्य का वर्णन 'पर्वत प्रदेश में पावस' कविता के आधार पर अपने शब्दों में कीजिए।

उत्तर :

वर्षा ऋतु में चारों ओर का प्राकृतिक दृश्य अत्यंत मनोरम हो जाता है। विशेष रूप से पर्वतीय प्रदेश की प्राकृतिक छटा देखते ही बनती है। प्रकृति प्रतिक्षण अपना रूप परिवर्तित कर लेती है। पर्वत पर उगे हुए फूल उसके नेत्रों के समान लगते हैं और ये नेत्र दर्पण के समान चमकने वाले विशाल सरोवर को देख रहे हैं। फेन से भरे हुए झरने झर–झर करते हुए बह रहे हैं तथा पानी की बूँदें मोतियों के समान शोभायमान हो रही हैं। ऊँचे पर्वत पर उगे हुए वृक्ष पर्वतराज के ह्रदय में उठने वाली महत्वाकांक्षाओं से प्रतीत हो रहे हैं।

13. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए– **$(3 \times 2 = 6)$**

(1) अपने जीते जी ही अपनी धन–संपत्ति को हड़पने के लिए रचे जा रहे षड्यंत्र और दाँव–पेच देखकर हरिहर काका पर क्या बीती होगी? कल्पना के आधार पर लिखिए।

उत्तर :

मेरी कल्पना के आधार पर अपने जीते–जी अपनी धन–संपत्ति को हड़पने के लिए रचे जा रहे षड्यंत्र और दाँव–पेंच देखकर हरिहर काका को गहरा आघात हुआ होगा। उनेक ह्रदय में संगे–संबंधियों, रिश्तेदारों और यहाँ तक कि धर्म के ठेकेदार कहे जाने वाले साधु–महंतों के प्रति आक्रोश एवं अविश्वास की भावना उत्पन्न हो गई होगी। वे सामाजिक रिश्तों की अवहेलना करने लगे होंगे, जिसके परिणामस्वरूप उनकी ह्रदयगत पीड़ा की अभिव्यक्ति मौन रूप में हुई। पारिवारिक संबंधों एवं धार्मिक माने जाने वाले लोगों की स्वार्थी प्रवृत्ति के कारण उनकी संवेदनाओं पर गहरी चोट लगी होगी, जिससे उन्हें अकेले रहकर जीवन व्यतीत करना अच्छा लगने लगा। समाज के रिश्तों की क्रूर एवं अमानवीय सच्चाई से सामना होने पर हरिहर काका के मन में तिरस्कार एवं घृणा की भावना उत्पन्न हो गई होगी। यही कारण रहा होगा कि उन्हें पारिवारिक संबंधों से मोहभंग हो गया था।

(2) लेखक अपने छात्र जीवन में स्कूल से छुट्टियों में मिले काम को पूरा करने के लिए क्या–क्या योजनाएं बनाया करते थे और उसे पूरा न कर पाने की स्थिति में किसकी भांति 'बहादुर' बनने की कल्पना किया करते थे?

उत्तर :

स्कूल की छुट्टियां होते ही लेखक अपने मंसूबे बनाने लगते। वह सोचते थे कि वह प्रत्येक कार्य को समय पर पूरा कर लेंगे। इसलिए स्कूल की छुट्टियां होती और उसमें जो काम करने के लिए मिलता, उसे पूरा करने के लिए लेखक समय सारणी बनाते। कौन–सा काम, कितना काम एक दिन में पूरा

करना है, उसका पूरा ब्यौरा बन जाता। लेकिन खेलकूद में लेखक का समय व्यतीत हो जाता और काम पूरा नहीं हो पाता। धीरे–धीरे समय व्यतीत होने लगता तो लेखक ओमा नामक ठिगने और बलिष्ठ लड़के जैसा बहादुर बनने की कल्पना करने लगता, जो उद्दण्ड था और काम करने के बजाए पिटना सस्ता सौदा समझता था।

(3) टोपी ने इफ़्फ़न से दादी बदलने की बात क्यों कही? 'टोपी शुक्ला' पाठ के आधार पर उत्तर दीजिए।

उत्तर :

इफ़्फ़न की दादी टोपी को बहुत प्यार करती थी। उनकी मीठी–मीठी बोली उसे तिल के लड्डू या शक्कर या अमावट जैसी लगती थी। टोपी की माँ भी ऐसा ही बोलती थीं परंतु उसकी दादी उसे बोलने नहीं देती थीं। उधर इफ़्फ़न के दादा जी व अम्मी को उनकी बोली पसंद नहीं थी। अतः इफ़्फ़न की दादी और टोपी की माँ दोनों एक बोली बोलने वाली महिलाएँ थीं। यही सोचकर टोपी ने दादी बदलने की बात की। इससे बालमन की इस विशेषता का पता चलता है कि बच्चों का मन अत्यंत भोला एवं निश्छल होता है। बालमन को केवल हृदय की सच्ची भावनाओं और प्यार के बंधनों से ही बाँधा जा सकता है। वह भाषा, जाति, धर्म एवं आयु के बंधन से परे होता है। इफ़्फ़न दादी बदलने के लिए इसलिए तैयार नहीं होता, क्योंकि उसे पता था कि उसके अब्बू इसके लिए कभी तैयार नहीं होंगे और उसे फ़िक्र थी कि फिर उसे बारह बुर्ज की कहानी कौन सुनाएगा।

14. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर संकेत–बिंदुओं के आधार पर लगभग 100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए– $(5 \times 1 = 5)$

(1) **स्वावलंबन**
- स्वावलंबन का अर्थ
- आत्मविश्वास की सीढ़ी
- स्वावलम्बी समाज राष्ट्र का हितैषी

(2) **परहित सरिस धर्म नहिं भाई**
- मनुष्यता की कसौटी
- जीवन की सार्थकता
- परोपकार से आनंद की अनुभूति

(3) **मेक इन इण्डिया**
- वस्तुओं का भारत में निर्माण
- आरम्भ और लक्ष्य
- लाभ और क्षेत्र
- उज्ज्वल औद्योगिक भविष्य

उत्तर :

(1) स्वावलंबन

स्वावलंबन का अर्थ है– अपने पैरों पर खड़ा होना अर्थात् आत्मनिर्भर होना। इसका हमारे जीवन में महत्वपूर्ण स्थान है। इसके द्वारा ही हमारी आर्थिक, मानसिक और शारीरिक उन्नति हो सकती है। स्वावलंबन की भावना हमें छोटे–छोटे पशुओं और पक्षियों से मिलती है। वे जन्म लेने के उपरांत ही आत्मनिर्भर होने की कोशिश करने लगते हैं। बनैले पशु तो बेचारे थोड़े दिनों बाद ही अपने आहार के लिए फिरने लगते हैं। वे पालतू पशुओं के समान किसी पर अवलम्बित नहीं रहते हैं। स्वावलंबन द्वारा ही मानव–हृदय में आत्मविश्वास की भावना उत्पन्न होती है। इससे हमारा उत्साह बढ़ जाता है और अपने कर्तव्य–पथ पर दृढ़ता के साथ चले जाते हैं। स्वावलम्बी मनुष्य ही देश और समाज का कल्याण कर सकता है। इसी ने विश्व के विभिन्न क्षेत्रों में राजनीतिज्ञों, वैज्ञानिकों, समाज सुधारकों और विद्वानों को जन्म दिया है। इसी के द्वारा विश्व प्रगतिशील बन सका है और उसमें बंधुत्व की भावना फैल सकी है। आज विदेशी राष्ट्र इसी के द्वारा उन्नति के शिखर पर पहुँच चुके हैं। इसकी गौरवपूर्ण अमर–कथाओं से विश्व के इतिहास के पन्ने चमक रहे हैं। अतः कह सकते हैं कि स्वावलंबी के सभी मनोरथ पूर्ण होते हैं। वह सुयश का भागी बनता है। इसलिए हमें स्वावलंबी बनना चाहिए।

(2) परहित सरिस धर्म नहिं भाई

परोपकार मानव जीवन का धर्म है। परोपकार की भावना के बिना मनुष्य और पशु में किंचित अंतर नहीं है। परोपकार करने से आत्मा को जिस सच्चे आनंद की प्राप्ति होती है, उसको शब्दों में नहीं बाँधा जा सकता। स्वयं भूखे–प्यासे रहकर किसी की भूख– प्यास को मिटाने से असीम आत्मिक आनंद की प्राप्ति होती है। परोपकार में ही जीवन की सार्थकता है। अपने जीवन को सफल बनाने के लिए हमें अपनी समस्त शक्तियों का प्रयोग परोपकार के लिए करना चाहिए। हमें अपनी धन–संपदा का प्रयोग दूसरों का हित–संपादन करने के लिए अपनी शक्ति का प्रयोग अत्याचार तथा अन्याय के निवारण के लिए तथा अपनी बुद्धि का प्रयोग संसार के अंधकार को दूर करने के लिए करना चाहिए। यदि जीवन में आप पुण्यशील बनकर पुण्य प्राप्त करने के इच्छुक हैं तो परोपकार कीजिए और यदि पापों का संचय करना चाहते हैं तो दूसरे प्राणियों को पीड़ा दीजिए। अतः हमें परोपकार की पवित्र भावना से प्रेरित होकर जहाँ तक संभव हो सके, दूसरों के कष्टों का निवारण करना चाहिए क्योंकि जीवन में आनंद की प्राप्ति का यह एक सहज मार्ग है।

(3) मेक इन इण्डिया

मेक इन इण्डिया भारत सरकार द्वारा प्रस्तावित एक कार्यक्रम है जिसमें भारत में अपने उत्पादों का निर्माण करने के लिए बहुराष्ट्रीय कम्पनियों और घरेलू कम्पनियों को प्रोत्साहित किया जा रहा है। दरअसल, इसका मतलब है कि अच्छी और जरूरत की चीजों का निर्माण ज्यादा से ज्यादा भारत में होगा। इस योजना के तहत प्रधानमन्त्री चाहते हैं कि जरूरत की

चीजों के पैकेट या कहें वस्तु पर मेड इन इण्डिया लिखा हो। यह शब्द वस्तु पर तभी अंकित किया जा सकता है जब वस्तु का निर्माण भारत में हुआ हो। इसका आरम्भ प्रधानमन्त्री नरेन्द्र मोदी ने 25 सितम्बर, 2014 को किया था। इस आयोजना का लक्ष्य भारत में रोजगार और कौशल क्षमता को बढ़ाना है। अर्थव्यवस्था की दृष्टि से ये 25 क्षेत्रों में लागू किया गया है जिनमें से कुछ हैं ऑटोमोबाइल, रसायन, आईटी, फार्मा, वस्त्र, बन्दरगाह, विमानन, चमड़ा, पर्यटन आतिथ्य, कल्याण, रेलवे, डिजाइन, विनिर्माण, अक्षय ऊर्जा, खनन, जैव प्रौद्योगिकी, इलेक्ट्रॉनिक्स आदि। इस आयोजना का अहम फायदा ये है कि देश में बनी वस्तु की कीमत कम होगी। इसके अलावा अगर वस्तु का निर्माण भारत में ही होगा तो उसका निर्यात कर राजकीय खजाने को भी भरा जा सकता है। ये कार्यक्रम रचनात्मक पहल है जो भारत के उज्ज्वल औद्योगिक भविष्य के लिए नींव की ईंट साबित होगी।

15. (1) आपका पानी का मीटर खराब पड़ा है और इस कारण सही भुगतान नहीं हो पा रहा है। कार्यपालक अभियंता को इस संबंध में लगभग 100 शब्दों में एक पत्र लिखिए। $(5 \times 1 = 5)$

उत्तर :

सेवा में,

कार्यपालक अभियंता,

दिल्ली जल बोर्ड,

बदरपुर, दिल्ली।

दिनांक : 18 अगस्त, 20xx

विषय : पानी का मीटर बंद होने के संदर्भ में।

महोदय,

मैं लक्ष्मी नगर का निवासी हूँ। मेरा मकान नं. जेड 185 है और मैं गली नं. 12 में रहता हूँ। विगत चार मास से मकान पर लगा पानी का मीटर बंद पड़ा है। इस संबंध में मीटर रीडर से कई बार शिकायत की परन्तु अभी तक कोई कार्यवाही नहीं हुई है। अब मैं लिखित शिकायत कर रहा हूँ। मीटर खराब होने के कारण पानी के अनुमानित बिल का भुगतान मैं नियमित समय पर कर रहा हूँ परन्तु इससे खपत का सही आंकलन नहीं हो पा रहा हैं अतः आपसे अनुरोध है कि या तो इस मीटर को ठीक करवाएँ अथवा इसे बदलवाने की व्यवस्था करायें।

आशा है कि आप इस समस्या का निदान तत्काल कराने की कृपा करेंगे। मैं इस पत्र के साथ पिछले तीन मास के पानी के भुगतान किए गए बिलों की फोटो प्रति संलग्न कर रहा हूँ।

सधन्यवाद।

भवदीय

अरुण पारिक

प्रताप नगर,

दिल्ली।

अथवा

(2) अपने क्षेत्र में पेड़-पौधों के अनियंत्रित कटाव को रोकने के लिए जिलाधिकारी को लगभग 100 शब्दों में एक पत्र लिखिए।

उत्तर :

सेवा में,

श्रीमान जिलाधिकारी महोदय,

अशोक मार्ग,

नई दिल्ली।

दिनांक : 21 अगस्त, 20xx

विषय : पेड़-पौधों का अनियंत्रित कटाव रोकने के संबंध में।

महोदय,

मैं आपका ध्यान अपने क्षेत्र में पेड़-पौधों के अंधाधुंध कटाव की ओर दिलाना चाहता हूँ जो क्षेत्र के पर्यावरण को असंतुलित करके जन-जीवन के लिए भयावह सिद्ध हो सकता है।

यह सर्वविदित है कि बढ़ती हुई जनसंख्या के लिए आवास एक समस्या बनी हुई है। इसके निदान के लिए हजारों-लाखों मकानों की आवश्यकता है। साथ ही गाँव के लोग भी रोजगार की खोज में शहरों की ओर मुँह कर रहे हैं। परिणामस्वरूप शहरों में आवास समस्या को दूर करने के लिए नई बस्तियाँ बन रहीं हैं। इन नई बस्तियों के निर्माण के लिए जंगल साफ किए जा रहे हैं और वहाँ लगे पेड़ों का सफाया किया जा रहा है।

लोग अपने तुच्छ स्वार्थों के लिए इन पेड़ों को अनियंत्रित ढंग से काट तो रहे हैं, पर ऐसे स्वार्थी लोग पेड़ों के काटने से होने वाले दूरगामी दुष्परिणाम को नहीं जानते। ऐसे में प्रशासन का कर्तव्य है कि वह हरे-भरे पेड़ काटने वालों के विरूद्ध कठोर कार्यवाही करें। इस खतरनाक प्रवृत्ति पर रोक लगाने के लिए लोगों को समझाया जाए कि पेड़ किस तरह जीवन के मित्र हैं। पेड़ पर्यावरण को सुधारने, ऑक्सीजन उपलब्ध कराने, बाढ़ों को रोकने तथा भूमि-क्षरण पर रोक लगाने में सहायक हैं। अतः इनकी अंधाधुंध कटाई दंडनीय अपराध है।

आशा है कि आप हमारे क्षेत्र में पेड़ों के अनियंत्रित कटाव पर रोक लगाने तथा नए पौधे लगाने का अभियान चलाएँगे।

सधन्यवाद।

भवदीय

विकास मार्ग

ग्रामीण क्षेत्र के निवासीगण।

16. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर पर लगभग 80 शब्दों में सूचना लिखिए– **$(4 \times 1 = 4)$**

(1) विद्यालय में छुट्टी के दिनों में प्रातःकाल योग की अभ्यास कक्षाएँ चलने की सूचना देते हुए इच्छुक विद्यार्थियों द्वारा अपना नाम देने हेतु सूचना पट्ट के लिए लगभग 80 शब्दों में सूचना जारी करें।

उत्तर :

गाँधी बाल विद्यालय **वैशाली नगर, जयपुर।** **सूचना**
दिनांक : 15 दिसंबर, 20xx
प्रातःकालीन योग कक्षाओं हेतु
विद्यालय के सभी विद्यार्थियों को सूचित किया जाता है कि शीतावकाश के दिनों मे विद्यालय में दिनांक 25 दिसंबर, 20xx से 31 दिसंबर, 20xx तक प्रातः 7.00 बजे से 8.30 बजे तक योग की अभ्यास कक्षाएँ चलेंगी। ये कक्षाएँ विद्यालय की ओर से निःशुल्क चलाई जाएँगी। इसमें शहर के जाने–माने योग शिक्षकों द्वारा योग का अभ्यास करवाया जाएगा। वर्तमान समय में योग के बढ़ते महत्त्व को देखते हुए विद्यालय द्वारा यह निर्णय लिया गया है। मेरा आप सभी से अनुरोध है कि अधिक से अधिक संख्या में इन योग कक्षाओं में हिस्सा लेकर अपने स्वास्थ्य को ठीक रखने की दिशा में एक शुरूआत करें। जो विद्यार्थी इन कक्षाओं को लेने का इच्छुक हैं वे अपना नाम मुझे जल्द से जल्द लिखवाएँ।
हस्ताक्षर अंकित शुक्ला (हेड बॉय)

अथवा

(2) आप एन. के. विद्यालय के प्रधानाचार्य हैं। दिल्ली में लगी व्यावसायिक प्रदर्शनी (ट्रेड फेयर) देखने के इच्छुक विद्यार्थियों को वहाँ ले जाने की सूचना लगभग 80 शब्दों में जारी करें।

उत्तर :

एन. के. विद्यालय, मथुरा **सूचना**
दिनांक : 16 नवम्बर, 20xx
दिल्ली व्यावसायिक प्रदर्शनी देखने जाने के संदर्भ में
विद्यालय के सभी विद्यार्थियों को सूचित किया जाता है कि दिल्ली में आयोजित व्यावसायिक प्रदर्शनी (ट्रेड फेयर) देखने के लिए विद्यालय की ओर से एक ट्यूर का आयोजन किया जा रहा है। ट्यूर के लिए विद्यालय की बस 12 नवंबर, 20xx को प्रातः 6.00 बजे दिल्ली के लिए रवाना होगी। इस ट्यूर की फीस 500 रूपए प्रति विद्यार्थी निर्धारित की गई है। ट्यूर में आने हेतु विद्यार्थी अपने कक्षाध्यापक को निर्धारित फीस जमा करवाकर अपना नाम लिखवा सकते हैं। फीस जमा करवाने के बाद रसीद प्राप्त करना न भूलें।
हस्ताक्षर करण सैनी प्रधानाचार्य

17. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 60 शब्दों में विज्ञापन तैयार कीजिए– **$(3 \times 1 = 3)$**

(1) 'सोलर कुकर' बनाने वाली एक कम्पनी के लिए विज्ञापन लगभग 60 शब्दों में तैयार कीजिए।

उत्तर :

सोलर कुकर अपनाइए ***गैस व बिजली बचाइए*** *जी हाँ, सूरज की ऊर्जा से खाना तैयार करें।* *कम समय मे भोजन हो तैयार* *आओ मिलकर पर्यावरण की सुरक्षा का प्रयास करें।* *न जलने का डर, न गैस का खर्च* **जल्दी आइए!** **सोलर कुकर के साथ अपनी पसन्द का बर्तन मुफ्त पाइए** सम्पर्क इन्द्रा बाजार, दुकान नम्बर 504, जयपुर, राजस्थान दूरभाष- 0141-2033xxxx

अथवा

(2) राष्ट्रीय पुस्तक मेले में पुस्तक प्रदर्शनी हेतु लगभग 60 शब्दों में विज्ञापन तैयार कीजिए।

उत्तर :

पुस्तक प्रदर्शनी *राष्ट्रीय पुस्तक मेला* **सभी पुस्तकें आधे दामों पर उपलब्ध**
विशेष आकर्षण ● हिंदी साहित्य की विशेष पुस्तकें ● बाल-साहित्य का भंडार ● रोचक जानकारियों की पुस्तकें ● विदेशी साहित्य की हिंदी अनुवादित पुस्तकें
सम्पर्क : रामलीला मैदान, नई दिल्ली।

18. (1) 'ईमानदारी का फल' विषय पर लघु कथा लगभग 100 शब्दों में लिखिए। $(5 \times 1 = 5)$

उत्तर :

ईमानदारी का फल

एक लकड़हारे की कुल्हाड़ी एक कुएँ में गिर गई। वह रोने लगा। तभी एक अदृश्य देवता प्रकट हुए। उन्होंने उसे सोने की कुल्हाड़ी देते हुए पूछा–क्या तुम्हारी कुल्हाड़ी यही है?

लकड़हारा पहले तो बहुत हैरान हुआ। फिर देवता के हाथ में सोने की कुल्हाड़ी देखकर बोला– "नहीं, यह मेरी कुल्हाड़ी नहीं है।"

देवता ने दूसरी कुल्हाड़ी निकाली। यह चाँदी की थी। लकड़हारे ने इसे भी इनकार कर दिया। अब लोहे की कुल्हाड़ी निकाली। उसे देखकर लकड़हारा खुश हो गया। देवता लकड़हारे की ईमानदारी देखकर प्रसन्न हो गया। उसने खुश होकर वे तीनों कुल्हाड़ियाँ उसे दे दीं।

लकड़हारा घर पहुँचा तो उसकी पत्नी सोने–चाँदी की कुल्हाड़ी देखकर बहुत खुश हुई लकड़हारे ने सारी घटना सुनाई तो पत्नी बोली–"तो मुझे भी उस देवता के पास ले चलो।"

लकड़हारा मरता क्या न करता! उसे ले गया कुएँ के पास। पत्नी बोली– "कहाँ है देवता? मुझे तो दिखाई नहीं दे रहे।"

लकड़हारा बोला–"देवता तभी प्रकट होते हैं, जबकि कोई कुएँ में गिरे।"

पत्नी ने लोभ में आकर कुएँ में छलाँग लगा दी।

देवता फिर–से प्रकट हुए। उन्होंने पहले एक अप्सरा कुएँ से निकाली। लकड़हारा बोला–"हाँ–हाँ देवता जी, यही है मेरी पत्नी।"

देवता हैरान! बोले–"एक सुंदर स्त्री पर लट्टू हो गया।"

लकड़हारा बोला– "देवता जी! यह बात नहीं है। बात यह है कि अगर आप मुझे कल की तरह तीन–तीन पत्नियाँ दे देंगे तो सँभालूगाँ कैसे?"

अथवा

(2) आपने यात्रा के दौरान एक उपरगामी पुल को जर्जर हालत में देखा है। वह पुल कभी भी किसी दुर्घटना का कारण बन सकता है। आपने वहाँ रुककर अपने मोबाइल से उसका चित्र भी लिया है। उस चित्र सहित लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता को पुल की मरम्मत के संदर्भ में एक ई–मेल लिखिए।

उत्तर :

From	rakesh.vats@gmail.com
To	mcd-pwd.xyz.@gmail.com
Subject	आजादपुर के उपरगामी पुल की खस्ता हालत की ओर ध्यान दिलाने हेतु।

सेवा में,
अधिशासी अभियंता
लोक निर्माण विभाग
महोदय,
सविनय निवेदन है कि कल दिनांक 8 जनवरी को मुझे सोनीपत से दिल्ली लौटने के दौरान आजादपुर चौराहे पर बने उपरगामी पुल पर से गुजरना पड़ा। इस पुल के पास पहुँचने पर इसकी दशा देखकर मेरा दिल दहल गया। यह इतना जर्जर हो चुका है कि कभी भी किसी बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकता है। मैंने अपना वाहन रुकवाकर उक्त पुल का एक चित्र अपने मोबाइल में सुरक्षित कर लिया था। इस पत्र के साथ वह चित्र भी आपके पास भेज रहा हूँ ताकि आप स्वयं भी पुल की वर्तमान दशा को अपनी आँखों देख सकें। मेरा अनुरोध है कि इससे पहले कि कोई बड़ी दुर्घटना घटित हो, अपने विभाग को इस पुल की मरम्मत के काम में जुटा दें। मैंने इस संदर्भ में आपको वेबसाइट mcd-pwd.nic.in पर भी शिकायत दर्ज की है ताकि ई–मेल या साइट किसी न किसी माध्यम से तो आप तक यह सूचना पहुँच सके।
भवदीय
राकेश वत्स (दिल्ली का एक नागरिक)
संलग्न : फोटो